बाबा खेतानाथ महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय

भीटेड़ा, बहरोड़ (अलवर) राज.
फोन न: 01494-295352, मो. 9462643431

विवरणिका शुल्क :- 100 रूपयें

बाबा खेतानाथ महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय

भीटेड़ा, बहरोड़ (अलवर) राज.
फोन न: 01494-241041, मो. 9462643431

विवरणिका

http://bed.bknmvidyapeeth.org/
bknmvidyapeeth@gmail.com
bknmvidyapeeth@gmail.com

स्वामी खेतानाथ जी

परमपूज्य

ब्रह्मलीन संत

जिनकी सद्प्रेरणा से वर्ष 2001
में इस विद्यापीठ की स्थापना हुई

स्वामी शरणानन्द जी

प्रस्तावित विश्वविद्यालय योजना

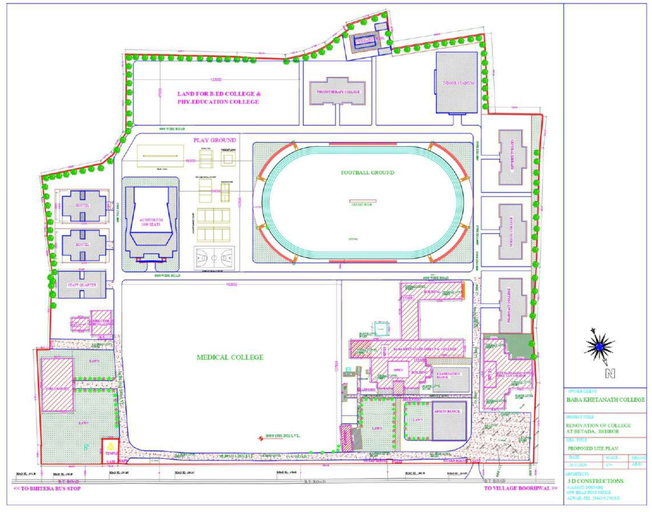

संदेश

मंगल छवि नयनों मे देखवो, मंगल छवि को सुनो सदा।
मंगल वाणी मुख से बोलो, संतन वाणी नमः पदा ।।

ब्रह्मलीन महान संत पूज्यपाद बाबा खेतानाथ जी के आशीर्वाद स्वरूप फलीभूत ''राठ'' क्षेत्र में महिला शिक्षा के प्रति महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने वाली संस्था ''बाबा खेतानाथ महिला विद्यापीठ'' की विवरणिका के प्रकाशन पर मै संस्था के संयोजक एवं विधि प्राचार्य डॉ. करणसिंह यादव व समस्त प्रवक्ताओं एवं छात्राओं को साधुवाद देता हूँ तथा आप से अपेक्षा रखता हूँ कि आप सभी 'आचार्य देवो भव' एवं 'पितृ देवो भव' की भावना द्वारा इस देश की महान् परम्परा को जीवित रखेंगे। हमारी कामना है कि 'तमसो मां ज्योतिर्गमय' तथा 'कृण्वन्तो विश्वम् आर्यम्' की ओर आप अग्रसर होंगे।

महिला शिक्षा के लिए समर्पित इस संस्था का उद्देश्य ऐसी सशक्त, संस्कारवान युवा पीढी का निर्माण करना है जिसमें प्रतिभा के साथ समाज को आगे बढ़ाने की क्षमता हो। मैं कामना करता हूँ कि डॉ. करण सिंह यादव (पूर्व सांसद अलवर) के सक्रिय सहयोग तथा प्रबन्ध समिति व क्षेत्रवासियों के प्रयासों से पोषित यह संस्था डॉ. यादव के कुशल नेतृत्व में नित नये कीर्तिमान स्थापित कर रही है और करती रहेगी और साथ ही विश्वास दिलाता हूँ कि छात्राओं की आवश्यकताओं तथा उपयोगिताओं को ध्यान में रखते हुए समयानुसार समिति भविष्य में नवीन पाठ्यक्रमों का संचालन कर विद्यापीठ को विश्वविद्यालय का रूप प्रदान करने का प्रयास करेगी।

विद्यापीठ के समस्त व्यास्थाता गण तथा अन्य संस्थाओं में कार्यरत प्राचार्यों तथा कार्यालय कर्मियों का सहयोग विगत वर्षों में सराहनीय रहा है। आशा करता हूँ कि भविष्य में भी समस्त कर्मचारियों एवं राठ क्षेत्र के भामाशाहों का सहयोग इसी प्रकार मिलता रहेगा, तो वह दिन दूर नहीं जब ''बाबा खेतानाथ महिला विद्यापीठ'' वनस्थली विद्यापीठ के स्वरूप को धारण करके ब्रह्मलीन आत्मा बाबा खेतानाथ जी और स्वामी शरणानन्द जी के सपनों को साकार करेगी।

महंत शुभनाथ जी महाराज ,
अध्यक्ष
बाबा खेतानाथ महिला
शिक्षा प्रसार समिति, भीटेड़ा

संदेश

परम श्रद्धेय,

संत शिरोमणि बाबा खेतानाथ जी के स्वप्नों को साकार करने के लिए संचालित बाबा खेतानाथ महिला विद्यापीठ परिवार को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ तथा छात्राओं से मै अपेक्षा करता हूं कि हम अपना ज्ञान, कर्म एवं सुदृढ़ इच्छा शक्ति को एक ही दिशा में संलग्न करें ताकि वे जीवन में सफल हो सकें। व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास के लिए कड़ी मेहनत, आत्मानुसाशन और आधुनिकता को समझदारी के साथ स्वीकार करते हुए आगे बढ़ना है, क्योंकि ईश्वर भी उन्ही की मदद करता है जो साहस पूर्वक आगे बढ़ते हैं....

खोल दें पंख मेरे कहता है परिंदा, अभी और उडान बाकी है,
जमीन नहीं है मंजिल मेरी, अभी पूरा आसमान बाकी है।

शिक्षा जगत में गत 21 वर्षो से लगातार यह विद्यापीठ, प्रबन्ध समिति की दूरदर्शिता, क्षेत्रवासियों के सहयोग एवं प्रवक्तागण की मेहनत से महिला शिक्षा के क्षेत्र में नया इतिहास रचने के लिए दृढ़ संकल्पित है।
यह विद्यापीठ महिला शिक्षा को बढ़ावा देने के साथ-साथ विद्यार्थियों को जीवन में सतत आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रही है।
आशा करता हूँ विद्यापीठ में संयोजक डॉ. करण सिंह यादव एवं बी. एड. प्राचार्या डॉ. सुनीता यादव के नेतृत्व में अभिभावकों की भावनारूप ऐसी संस्कारवान पीढ़ी तैयार होगी, जिसमें समाज का नेतृत्व करने की क्षमता हो।

डॉ. करण सिंह यादव
पूर्व सांसद (अलवर)
कार्यकारी अध्यक्ष, बाबा खेतानाथ महिला
शिक्षा प्रसार समिति, भीटेड़ा

संदेश

परम् योगी नारी शिक्षा एवं नारी उत्थान के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले पूज्यपाद् ब्रह्मलीन बाबा खेतानाथ के स्वप्नों को साकार करने के उद्देश्य से माननीय डॉ. करण सिंह (पूर्व सांसद एवं कार्यकारी अध्यक्ष, समिति) ने ग्रामीण अंचल के निर्मल एवं शान्त वातावरण में स्त्री शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2001 में विद्यापीठ की स्थापना कर सार्थक पहल की। ब्रह्मलीन परम् श्रद्धेय स्वामी शरणानन्द जी के साधुवाद तथा क्षेत्रवासियों के सहयोग व मार्गदर्शन से विद्यापीठ प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

21 वर्षों से कटिबद्ध संस्था ''बाबा खेतानाथ महिला विद्यापीठ'' की विवरणिका प्रकाशन के शुभावसर पर संयोजक डॉ. करण सिंह यादव एवं प्राचार्या डॉ. सुनीता यादव व उनके समस्त सहयोगियों को हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ। यह विद्यापीठ कर्मयोगी तपस्वी बाबा खेतानाथ जी महाराज की कर्मस्थली ''राठ क्षेत्र'' के भीटेड़ा ग्राम में महिला शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रही है।

संस्था के निदेशक/प्राचार्य व प्रवक्ताओं से अपेक्षा रखता हूं कि छात्राओं के शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास हेतु शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ गैर शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा देकर छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु अपने दायित्व का बखूबी निर्वहन करें।
इन्ही शुभकामनाओं सहित ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि सभी छात्राओं का भविष्य उज्ज्वल बनें।

बस्तीराम यादव
सचिव
बाबा खेतानाथ महिला
शिक्षा प्रसार समिति, भीटेड़ा
मो. 9636066601

संदेश

राठ क्षेत्र के हृदयस्थल ग्राम भीटेड़ा की पावन भूमि पर स्थित ''बाबा खेतानाथ महिला विद्यापीठ'' अपनी विकास यात्रा के 22वें वर्ष में प्रविष्ट हो रही है। पूज्य परम् संत बाबा खेतानाथ जी के सपनों को साकार करने के लिए श्रद्धेय तपस्वी ब्रह्मलीन स्वामी शरणानन्द जी के आशीर्वाद से, विद्यापीठ के आधार स्तम्भ कर्मयोगी डॉ. करण सिंह यादव (पूर्व सांसद) के दिशा निर्देशन, समिति के पदाधिकारियों के पुरूषार्थ तथा भामाशाहों के अद्वितीय योगदान से संस्था उन्नति के पथ पर सतत अग्रसर है। संस्था में कला, वाणिज्य एवं विज्ञान वर्ग में स्नातक तथा कला संकाय व विज्ञान संकाय के अनेक विषयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के साथ विधि स्नातक में महिलाओं को विधि की शिक्षा प्रदान करने वाली जिले की एकमात्र संस्था है। विद्यापीठ में बी.एड., बी.एस.टी.सी. के पाठ्यक्रमों में भी अध्ययन की सुविधा उपलब्ध है। छात्राओं में छुपी हुई प्रतिभा को पहचानने, तरासने और उनकी सृजनात्मक क्षमता को विकसित करने के लिए महाविद्यालय में सह शैक्षणिक गतिविधियां यथा राष्ट्रीय सेवा योजना, राष्ट्रीय कैडेट कोर, कौशल विकास केन्द्र, खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियां आदि नियमित रूप से संचालित है।

आचरण में वांछित परिवर्तन लाना ही शिक्षा का मुख्य उद्देश्य है। शिक्षा के माध्यम से हृदय, मस्तिष्क और हाथ एक साथ काम करने में निपुण होते हैं। महाविद्यालयी शिक्षा व्यक्तित्व को पूर्ण रूप से पल्लवित एवं पुष्पित होने का अवसर प्रदान करती हैं। आचरण में गहरे संस्कार लिए दृढ़ संकल्पित छात्राएं निश्चय ही महाविद्यालयी शिक्षा का भरपूर आनन्द ले पाती हैं। युवा अवस्था में बहकने के आलम्बन बहुत है किन्तु विद्यापीठ एवं शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय की सर्तक अनुशासन व्यवस्था में धैर्य और उत्साह से युक्त छात्राओं का भविष्य उज्ज्वल है।
वैश्वीकरण और परिवर्तन के इस दौर में महाविद्यालयी शिक्षा के समक्ष अनेक चुनौतियाँ उभर रही है। हमारा सतत प्रयास रहेगा कि शिक्षा को वैश्वीकरण की आवश्यकता के अनुरूप तकनीकी रूप से समृद्ध एवं मूल्यपरक बनाया जावें ताकि उत्कृष्ट मानवीय संसाधनों के साथ-साथ समाज को अच्छे नागरिक प्रदान कर सके। महाविद्यालय में योग्य, अनुभवीं प्राध्यापकगण एवं दक्ष कर्मचारीगण छात्राओं के मार्गदर्शन एवं मदद के लिए सदैव तत्पर हैं। महाविद्यालय में स्वस्थ शैक्षणिक वातावरण तथा स्वच्छ एवं शांत परिसर है जहां गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान की जा रही है। स्वस्थ शैक्षिक माहौल बनाने में शिक्षक, शिक्षार्थी एवं अभिभावकगण सभी की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। इसके लिए मै सभी से सतत सहयोग, निर्भीक एवं अनुशासित आचरण की अपेक्षा करता हूं।

मै सभी छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं।

डॉ. करण सिंह यादव
संयोजक
बाबा खेतानाथ महिला विद्यापीठ,
भीटेड़ा।
मो. 9461404236

संदेश

प्रिय छात्राओं,

नये शैक्षणिक सत्र में बाबा खेतानाथ महिला शिक्षक प्रशिक्षा महाविद्यालय में आपका हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन है। महाविद्यालय में छात्राएं ज्ञानार्थ प्रवेश करती है और समाज में सेवार्थ प्रस्थान करती है। महाविद्यालय में बी.एड़ में छात्राओं का प्रवेश च्ज्म्ज्ज के माध्यम से होता है। सभी छात्राओं का एक ही लक्ष्य होता है शिक्षिका बनकर अपने व्यक्तित्व के माध्यम से नये राष्ट्र का निर्माण करना है। नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्राओं में रचनात्मक, सृजनात्मक, क्रियात्मक कार्य करवाना छात्राओं को आन्तरिक व बाह्य रूप से सशक्त बनाना ही हमारा मुख्य उद्देश्य है। शिक्षा से संस्कारों का निर्माण होता है, विवेक और सत्य का ज्ञान होता है और सही और गलत की पहचान होती है। शिक्षा ज्ञानेन्द्रियों को आलोकित करने वाली वह चिंगारी है जिससे व्यक्ति अपने अस्तित्व का उद्देश्य समझ पाता है और अपनी ऊर्जा का सही उपयोग कर पाता है। मुझे विश्वास है कि आप इस महाविद्यालय में शिक्षण हेतु प्राप्त हुए ज्ञान को अपनी पूरी क्षमता के साथ उपयोग करेगी और ज्ञान की मशाल को लिये हुए शिक्षा जगत को सदैव आलोकित रखेंगी।

डॉ. सुनीता यादव,
प्राचार्या
बाबा खेतानाथ महिला शिक्षक
प्रशिक्षण महाविद्यालय, भीटेड़ा
मो. 9460131403

News Bites

बाबा खेतानाथ मेला विशेष

स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर जिले में जगाई शिक्षा की अलख

बाबा खेतानाथ

नीमराणा. अहीरवाल क्षेत्र अनेक संत-महात्माओं की तपोस्थली रहा है। इनमें बाबा खेतानाथ का स्थान प्रमुख है। इन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन, अध्यात्म, समाज सेवा और शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा ही अनुकरणीय कार्य किया है। खेतानाथ जी का जन्म अहीरवाल भूमि के ग्राम सिहमा जिला महेंद्रगढ़, हरियाणा में सन् 1936 को रामसिंह व मिनी देवी के घर हुआ था।

बाबा खेतानाथ के जन्म से पूर्व ही अस्थल, बाबा दयालदास, हुडिया कलां, नीमराणा के तत्कालीन महंत हरिकादास ने रामसिंह के घर भोजनोपरांत कहा कि आपको पुत्र प्राप्त होगा, जिसका जन्म खेत में होगा और वो एक महान समाजसेवी संत बनेगा। रामसिंह के बड़े पुत्र और होने वाले बच्चों के विषय में महंत ने दो पंक्तियां कही- घर में है वा घरबारी थारो। खेत में होवै, वा खेतो म्हारो। संत वचन प्रमाणिक होते हैं और संयोग से वही हुआ संत खेतानाथ का जन्म खेत में हुआ और इसी कारण नाम पड़ा खेताराम। युवा अवस्था में वैराग्य भाव उत्पन्न हुआ और खेताराम से खेतानाथ बन गए।

राष्ट्रीय आंदोलन में लिया भाग : इसी दौरान देश में राष्ट्रीय आंदोलन चल रहा था। संत खेतानाथ भी आंदोलन से जुड़ गए और गांव गांव जा कर आजादी की अलख जगाई। इस दौरान आपने कई बार जेल भी गए। आजादी के बाद अपने अहीरवाल क्षेत्र को अपनी कर्मस्थली बनाया और समाज सेवा की ओर उन्मुख हो गए।

शठ क्षेत्र में बनवाए विद्यालय: संत खेतानाथ ने आमजन के सहयोग से बीजवाड़ चौहान में विद्यालय भवन का निर्माण करवाया तथा 1956 में इसे उच्च माध्यमिक विद्यालय में क्रमोन्नत कराया। इसके बाद बाबा खेतानाथ ने पीछे मुड़ कर नहीं देखा और सैकड़ों विद्यालयों को क्रमोन्नत, भवन निर्माण व नए विद्यालय खुलवाए।

गो रक्षा के लिए बनाई गोशालाएं: संत खेतानाथ ने क्षेत्र में गौशाला, छात्रावास, प्याऊ, कॉलेज, तालाब, औषधालय, धर्मशाला व समाज में धर्म की स्थापना के लिए आश्रमों का निर्माण कराया। अधिकांश संस्थाओं के निर्माण में बाबा सीधे जुड़े रहे तथा बाकि में आपकी प्रेरणा से निर्माण हुआ। इनमें प्रमुख बीजवाड़ चौहान, नांगल, पनाक, मालका, अहीर बासना, सकतपुरा, चांदपुर, बीबीरानी, मुंडा शाहपुर, दहीना, मतलबास, लाडपुर, दौलतसिंहपुरा, डूमरोली, खानपुर (अलवर जिला) सिहमा, डेरोली, अटाली, गुलावला, नारनौल, अटेली, कांवाली, सिधराबली, मनियार, शहबाजपुर, दुबलाना (अहीरवाल क्षेत्र, हरियाणा) आदि हैं। श्रीकृष्ण छात्रावास, अलवर, जयपुर, नारनौल आपकी ही देन हैं।

समाज में फैली कुरीतियों का किया उन्मूलन: समाज सेवा के साथ साथ संत खेतानाथ ने समाज सुधार के लिए भी कार्य किया। बाबा ने समाज में व्याप्त कुरीतियों का विरोध किया। पर्दा प्रथा को समाप्त करने पर जोर दिया तथा बेटा-बेटी में समानता के लिए पुरजोर प्रयास किए। अंध विश्वास का खंडन किया और नर सेवा, नारायण सेवा के मंत्र को अपनाने के लिए प्रेरित किया। संत खेतानाथ भक्तियोग, ज्ञानयोग व कर्मयोग की त्रिवेणी थे। डा. रवीन्द्र सिंह यादव ने बताया कि बाबा एक महान संत थे, उन्होंने महाप्रयाण के संकेत भी पहले ही दे दिए थे। 28 दिसम्बर 1990 कंबल को ओढ़ कर आश्रम से पीछे आशावाली वाणी पहुंचे और लोगों को आवाज लगाई। वहीं एक महान संत ने जो खेत में जन्मा और खेत में ही अंतिम सांस ली।

माजरीकलां. खेलकूद प्रतियोगिता में बोरा दौड़ में भाग लेती छात्राध्यापिका।

बोरा दौड़, भाला फेंक समेत अन्य स्पर्धा में शामिल हुई छात्राध्यापिकाएं

भास्कर न्यूज | माजरीकलां

क्षेत्र के गांव स्थित बाबा खेतानाथ महिला विद्यापीठ परिसर स्थित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में चल रहा सात दिवसीय खुला सत्रीय कार्यक्रम के अंतर्गत सोमवार को खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संयोजक डा. तेजपाल यादव ने बताया कि प्रतियोगिता में छात्राध्यापिकाओं के 6 समूहों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में चम्मच दौड़, भाला फेंक, गोलाफेंक, बोरा दौड़, तीन टांग दौड़, नींबू चम्मच दौड़ और म्यूजिकल चेयर दौड़ आदि खेलकूद का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका डा. संतोष यादव और मुकेश बाला ने निभाई। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राध्यापिकाओं और समूहों को विधि प्राचार्य डा. करण सिंह और बीएड प्राचार्य डॉ. सुनीता यादव द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। खेल प्रतियोगिता में समस्त शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय स्टाफ और छात्राध्यापिकाएं उपस्थित रहीं।

रिले दौड़ में रीना, थ्री लेग्स दौड़ में आरती और आशा विजेता

माजरीकलां (गंडाला). क्षेत्र के गांव भीटेड़ा बाबा खेतानाथ महिला विद्यापीठ परिसर स्थित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में शुक्रवार को प्रशिक्षु शिक्षिकाओं का सात दिवसीय खुला सत्रीय तरंग उत्सव के चौथे दिन रिले दौड, म्यूजिक चैयर, थ्री लेग्स और 100 मीटर दौड प्रतियोगिता का आयोजन किया।

शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय प्राचार्या डां सुनिता यादव ने बताया कि प्रशिक्षु प्रथम वर्ष की शिक्षिकाओं के तरंग उत्सव में आयोजित ख ल क द ... द्वितीय, 100 मीटर दौड में रीना ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

निर्णायक मंडल की भूमिका बीएसटीसी प्राचार्या डां सुमन यादव, बिमला यादव, मीना यादव, सुखबीर यादव एवं अनिल यादव ने निभाई। प्रतियोगिता में विद्यापीठ संयोजक डॉ. करण सिंह यादव, प्राचार्य डा.जीतेन्द्र कुमार यादव, डां तेजपाल यादव, संजोगता यादव, मुकेशबाला, डां अंजना यादव, मुनेश, अनिता एवं आशा यादव उपस्थित थी।

दैनिक भास्कर बहरोड़-नीमराना भास्कर 08-04-2021

7 दिवसीय खुला सत्र शुरू हुआ

माजरीकलां | क्षेत्र के भीटेड़ा बाबा खेतानाथ महिला विद्यापीठ परिसर स्थित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में बुधवार को शिक्षक प्रशिक्षण प्राप्त कर रही प्रथम वर्ष की छात्राओं का सात दिवसीय खुला सत्रीय कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। शिक्षक महाविद्यालय प्राचार्या सुनीता यादव ने बताया कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि बहरोड़ उपखंड अधिकारी संतोष मीणा, बहरोड़ थानाधिकारी विनोद सांखला, निदेशक डॉ. सुमेर सिंह, प्राचार्य डॉ. करण सिंह यादव और समिति सचिव शिक्षाविद् महावीर प्रसाद ने फीता काटकर किया। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. तेजपाल सिंह ने बताया कि शिविर में शिक्षिका छात्राओं के शांति निकेतन, आयुष सदन, आश्रम सदन और ब्रह्म समाज सदन चार सदन बनाए गए। सभी सदनों ने अपने-अपने नाम के अनुसार प्रस्तुति दी। जिसमें आयुष सदन प्रथम, आश्रम सदन द्वितीय, ब्रह्म समाज सदन तृतीय और शांति निकेतन सदन ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. स्वदेश यादव ने किया। इस दौरान डॉ. अंजना, मुकेशबाला, संजोगता, अनिता, मुकेश, आशा सहित शिक्षिका छात्राएं उपस्थित थी।

सरोजनी नायडू व इंदिरा गांधी समूह प्रथम

भास्कर न्यूज | बहरोड़

बहरोड़. कार्यक्रम में उपस्थित छात्राएं व स्टाफ।

बाबा खेतानाथ शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय भीटेड़ा में सोमवार को खुला सत्र कार्यक्रम का आयोजन किया गया। खुला सत्र कार्यक्रम में छात्राओं के सरोजनी नायडू, कल्पना चावला, लक्ष्मी बाई, इंद्रा गांधी, महादेवी वर्मा तथा मदर टेरेसा के नाम ग्रुप बनाए गए। जिसमें प्रथम वर्ष में सरोजनी नायडू प्रथम, कल्पना चावला द्वितीय तथा लक्ष्मी बाई ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। द्वितीय वर्ष में इंद्रा गांधी ग्रुप प्रथम, महादेवी वर्मा द्वितीय व मदर टेरेसा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। कॉलेज निदेशक डॉ. रणजीत सिंह यादव ने विजेता ग्रुप की छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान बीएड प्राचार्य डॉ. सुनीता यादव, तेजपाल, संतोष यादव, ... यादव, पूनम चौधरी, मुकेश देवी, डॉ. स्वदेश यादव आदि मौजूद थे।

कॉलेज में स्टॉल व हैण्डलूम प्रदर्शनी का आयोजन हुआ

माजरीकलां | गांव भीटेड़ा स्थित बाबा खेतानाथ महिला विद्यापीठ स्थित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में चल रहा सात दिवसीय खुला सत्रीय कार्यक्रम के तीसरे दिन स्टॉल और हैण्डलूम प्रदर्शनी तथा सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का शुभारंभ निदेशक डॉ. सुमेर सिंह यादव, प्राचार्य डॉ. करण सिंह यादव, समिति सचिव महावीर प्रसाद यादव तथा बीएड प्राचार्या डॉ. सुनीता यादव ने किया। संयोजक डॉ. स्वदेश यादव ने बताया कि प्रतियोगिता में करिश्मा ग्रुप ने प्रथम, लक्की और याचिका ग्रुप ने द्वितीय और मनीषा और निधि ग्रुप ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस दौरान प्रवक्ता डॉ. तेजपाल यादव, मंजू यादव, डॉ. अंजना, संजोगिता, मुनेश आदि लोग मौजूद थे।

7 दिवसीय खुला सत्रीय कार्यक्रम का शुभारंभ

माजरीकलां | गांव भीटेडा स्थित बाबा खेतानाथ महिला विद्यापीठ स्थित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में सोमवार को बीएड प्रथम वर्ष का 7 दिवसीय खुला सत्रीय कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। डॉ. स्वदेश यादव ने बताया कि शुभारंभ निदेशक डॉ. सुमेर सिंह यादव, प्राचार्य डॉ. करण सिंह यादव, समिति सचिव सेवानिवृत्त व्याख्याता महावीर प्रसाद यादव और बीएड प्राचार्या डॉ. . सुमन यादव ने किया। शिविर के प्रथम दिन शिक्षक प्रशिक्षण प्राप्त कर रही छात्राओं के तीन ग्रुप बनाए गए जिनमें बसंत पंचमी, फाग उत्सव व चैत्र उत्सव की थीम रखी गई। इस दौरान डॉ. सुनीता, प्रवक्ता डॉ. तेजपाल यादव, डॉ. अंजना, संजोगिता, मीना, मुनेश आदि लोग मौजूद रहे।

दैनिक भास्कर बहरोड़-नीमराना भास्कर 20-04-2022

निभोर. खुला सत्रीय तरंग उत्सव में प्रस्तुति देती प्रशिक्षु शिक्षिका।

प्रशिक्षु शिक्षिकाओं का खुला सत्रीय तरंग उत्सव का शुभारंभ

माजरीकलां/निभोर | गांव भीटेड़ा के बाबा खेतानाथ महिला विद्यापीठ परिसर स्थित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में मंगलवार को प्रशिक्षु शिक्षिकाओं का सात दिवसीय खुला सत्रीय तरंग उत्सव का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम संयोजक डां तेजपाल यादव ने बताया कि प्रशिक्षु प्रथम वर्ष की शिक्षिकाओं को तरंग उत्सव में महाराणा प्रताप, महाराणा सांगा और पृथ्वीराज चौहान तीन सदनों में विभाजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथि पूर्व समिति सचिव शिक्षाविद् महावीर प्रसाद यादव, विद्यापीठ संयोजक डां करण सिंह यादव और प्राचार्य डा.जीतेन्द्र कुमार यादव ने दीप प्रज्वलित कर किया। अतिथियों ने प्रशिक्षु शिक्षिकाओं को पठन चिंतन और वाक कौशल विकास, शारीरिक, संवेगात्मक और रचनात्मक विकास के बारे में बताया। शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय प्राचार्या डा. सुनीता यादव ने खुला सत्रीय कार्यक्रम के बारे में अतिथियों को अवगत करवाया और कार्यक्रम की भूमिका बताते हुए खुला सत्रीय कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत करवाया। कार्यक्रम में प्रोफेसर संजोगता यादव, मुकेशबाला, डां अंजना यादव, मुनेश, अनिता एवं आशा यादव उपस्थित थी।

दैनिक भास्कर बहरोड़-नीमराना भास्कर 29-07-2021

बहरोड़ बाबा खेतानाथ महिला महाविद्यालय में वृक्षारोपण करते लोग।

वृक्ष मित्र योजना के अंतर्गत 125 पौधे लगा संरक्षण का संकल्प

बहरोड़ | भारत विकास परिषद की ओर से बुधवार को बाबा खेतानाथ महिला विद्यापीठ भीटेड़ा में वृक्ष मित्र योजना के अंतर्गत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि मत्स्य विश्व विद्यालय के कुलपति डॉ. जेपी यादव थे। इस अवसर पर 125 पौधे लगाए गए। कार्यक्रम से पूर्व कुलपति व भारत विकास परिषद के सदस्य राजेश मेहता व ओम यादव का स्वागत किया गया। इस दौरान पीजी प्राचार्य डॉ. जितेंद्र कुमार, विधि प्राचार्य डॉ. करण सिंह यादव, सुमेर सिंह, सचिव महावीर प्रसाद, उप सचिव रणजीत सिंह, ओमप्रकाश यादव, अमीलाल, कैलाश चंद, गजराज सिंह सहित संस्था स्टाफ मौजूद था। उधर, ग्राम बिजोरवास में सरपंच उदय सिंह यादव के सानिध्य में युवाओं ने पौधारोपण किया। पौधारोपण में राहुल सोनी, धर्मेन्द्र, भोजराज, अशोक कुमार, लोकेश, शाहिल, आकाशदीप, आशीष सिरोहीवाल, मीना वर्मा ने सहयोग किया।

माजरीकलां. गुरुवार को नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बाल-विवाह के दुष्परिणाम बताती बीएड छात्राएं।

नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से बाल विवाह निषेध व साक्षरता पर दिया संदेश

भास्कर न्यूज | माजरीकलां

क्षेत्र के गांव भीटेड़ा स्थित बाबा खेतानाथ महिला विद्यापीठ परिसर स्थित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में चल रहा सात दिवसीय खुला सत्र कार्यक्रम के अंतर्गत गुरुवार को पांचवे दिन गांव मांचल की चौपाल में शिक्षक प्रशिक्षण प्राप्त कर रही छात्राओं द्वारा बाल-विवाह निषेध और साक्षरता पर नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया गया। बीएड प्राचार्य डॉ. सुनीता यादव ने बताया कि अध्ययनरत छात्राओं द्वारा नाटकों के माध्यम से बाल विवाह निषेध और साक्षरता के अभाव के कारण हमारे जीवन और समाज में पड़ने वाले दुष्प्रभावों के बारे में समाज में जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया। उपस्थित लोगों को विधि प्राचार्य डॉ. करण सिंह ने बाल विवाह निषेध और डॉ. तेजपाल यादव ने साक्षरता विषय पर अपने विचार व्यक्त कर विस्तार से जानकारी देकर संबोधित किया। कार्यक्रम में समस्त शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय स्टाफ और बीएड छात्राध्यापिकाएं उपस्थित रही।

प्रशिक्षु शिक्षिकाओं ने ली शपथ... नहीं करने देंगे तंबाकू का सेवन

वॉइस ऑफ प्रतिज्ञा डवानी

हम शपथ लेते हैं कि तंबाकू का सेवन न खुद करेंगे न अपने जानने वालों को करने देंगे। हम समाज को तंबाकू के नशे से मुक्त कराने में अपना पूर्ण सहयोग देंगे। तंबाकू निषेध दिवस पर बाबा खेतानाथ महिला विद्यापीठ परिसर स्थित महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में आयोजित संवाद में प्रशिक्षु शिक्षिकाओ ने एक स्वर में यह शपथ ग्रहण की । कार्यक्रम में शिक्षाविदों ने तंबाकू के दुष्प्रभाव से भी अवगत कराया। इस अवसर पर अतिथियों ने प्रशिक्षु शिक्षिकाओ को एक साथ मिलकर तंबाकू मुक्त समाज का निर्माण कर तंबाकू से नशे से मुक्त करने सहित सार्वजनिक को तंबाकू मुक्त करने की शपथ दिलाई।कार्यक्रम में प्रशिक्षु शिक्षिकाओं ने तंबाकू से जुड़े सवाल पूछे और विशेषज्ञों से मिले जवाब से संतुष्ट भी हुए। संवाद में शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय प्राचार्या डां सुनिता यादव, बीएसटीसी प्रधानाचार्या डां सुमन यादव, डां तेजपाल यादव सहित समस्त स्टाफ और प्रशिक्षु शिक्षिकाओं ने हिस्सा लिया।

अनुक्रमणिका

क्र.स.	विवरण	
1	विद्यापीठः परिचय एवं बी. एड़ महाविद्यालय परिचय	09
2	महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाएं	10
3	महाविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया बी.एड. हेतु आवश्यक दस्तावेज	10
4	छात्राध्यापिकाओं के लिए अत्यावश्यक नियम	12
5	शैक्षिक कार्य एवं पंचांग	12
6	पुस्तकालय नियम	13
7	छात्रावास नियम	13
8	बी.एड. शैक्षणिक एवं अशैक्षिणक कमर्चारी सूची	16
9	बी.एड. पाठ्यक्रम	17

आवश्यक सूचना

विवरणिका में संकलित सामग्री में किसी भी प्रकार का संशोधन/ परिवर्तन/ विलोपन आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा राजस्थान, जयपुर/ राजऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर/ राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद नई दिल्ली/ निदेशक प्रारंभिक शिक्षा, बीकानेर से प्राप्त निर्देशानुसार कभी भी किया जा सकता है।

सेवा ही सबसे बड़ी सात्विक सम्पत्ति है, सेवा और साधना से स्थायी सुख मिलता है।

विद्यापीठ परिचय

बाबा खेतानाथ महिला विद्यापीठ, बहरोड़/ कुण्ड रोड़ पर बहरोड़ कस्बे से 6 किमी. दूर भीटेड़ा ग्राम के आंचलिक वातावरण में स्थित है। यह संस्था ब्रह्मलीन स्वामी शरणानन्द जी (भगवद् भक्ति सेवा आश्रम दड़ौली), एवं समाजसेवी, कर्मठ व्यक्तित्व के धनी डॉ. कर्णसिंह यादव (पूर्व सांसद, अलवर) के दिशा–निर्देश एवं कुशल नेतृत्व में राठ क्षेत्र की छात्राओं को न्यूनतम शुल्क में परम्परागत, आधुनिक एवं व्यावसायिक शिक्षा प्रदान कर रही है। बाबा खेतानाथ के स्त्री शिक्षा के स्वप्न को साकार करने के उद्देश्य से 1993–1994 में बाबा खेतानाथ महिला शिक्षा प्रसार समिति का गठन किया गया। समिति द्वारा किये गये प्रयासों के परिणाम स्वरूप राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, भीटेड़ा के परिसर में 15 अगस्त 2001 को 58 छात्राओं के साथ विद्यापीठ की स्थापना की गई। मार्च 2004 में विद्यापीठ अपने वर्तमान भवन में स्थानान्तरित हुई।

2001 में कला वर्ग से आरम्भ होने वाले विद्यापीठ में 2005–06 से स्नातकोत्तर कक्षाओं (हिन्दी साहित्य अंग्रेजी साहित्य, भूगोल एवं राजनीति विज्ञान) का संचालन किया जा रहा है। छात्राओं की आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए 2005 में शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, 2006 में शिक्षक प्रशिक्षण विद्यालय तथा 2009 में कानून की शिक्षा देने के उद्देश्य से सेठ राजनारायण गुप्ता महिला विधि महाविद्यालय का प्रारम्भ किया गया।

बाबा खेतानाथ महिला शिक्षक महाविद्यालय परिचय

ग्रामीण अंचल में महिला शिक्षिका को बढावा देने लिए समिति के अथक प्रयास के द्वारा एन.सी.टी.ई. एवं राज्य सरकार द्वारा मान्यता लेकर 2005 में बाबा खेतानाथ महिला शि. प्र. महा. का प्रारम्भ हुआ हमारे महाविद्यालय में 2 यूनिट (100 छात्राएं) बी.एड. में अध्ययनरत हैं एवं 1 यूनिट बी.एस.टी.सी. (50 छात्राएं) अध्ययन कर रही हैं। हर प्रतियोगिता परीक्षा में हमारी छात्राओं का चयन होता रहा है। जो आज उच्च पदों पर विराजमान हैं।

संत पुरूषों का संग अमृत जैसा होता है। श्रद्धा की दीवार में बुद्धि के झरोखें निकालने चाहिए

महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाऐं

1. विशाल एवं सुसज्जित भवन
2. भव्य सेमिनार हॉल
3. सुसज्जित कम्प्यूटर प्रयोगशाला
4. आई. सी. टी. सैन्टर
5. पुस्तकालय एवं वाचनालय
6. मनोविज्ञान प्रयोगशाला
7. विज्ञान प्रयोगशाला
8. भाषा प्रयोगशाला
9. कॉमन रूम
10. छात्रावास
11. कैंटीन
12. खेलकूद मैदान
13. चिकित्सा सुविधा
14. वाहन सुविधा
15. पाठ्य सहगामी क्रिया

महाविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया

सम्पूर्ण राजस्थान में प्रभावी शिक्षकों के निर्माण हेतु एवं शिक्षक प्रशिक्षण को गुणात्मक स्तरीय एवं प्रभावी बनाने, प्रदेश में व्याप्त विसंगतियों को दूर करने एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन को ध्यान में रखकर राजस्थान सरकार द्वारा सन् 1988 में प्री टीचर एज्यूकेशन टेस्ट के माध्यम से राजस्थान के शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों में बी. एड़ पाठ्यक्रम के लिए राज्य स्तर पर प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण की जाती है।

सन् 2010 में एन.सी.टी.ई. ने प्रवेश हेतु स्नातक/स्नात्तकोत्तर स्तर पर सामान्य श्रेणी अभ्यर्थियों के लिए 50 प्रतिशत तथा ओ.बी.सी., विशेष पिछड़ा वर्ग, एस.सी., एस.टी. वर्गो के लिए न्यूनतम 45 प्रतिशत प्राप्तांको की अनिवार्यता कर दी है। इस महाविद्यालय के लिए बी.एड़ पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने हेतु छात्राओं का चयन समन्वयक, पीटीईटी. द्वारा किया जाता है। सम्पूर्ण राजस्थान के प्रभावी शिक्षकों के निर्माण हेतु शिक्षक प्रशिक्षण को गुणात्मक, स्तरीय एवं प्रभावी क्रियान्वयन को ध्यान में रखकर राजस्थान सरकार द्वारा अधिकृत विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पी.टी.ई.टी. की वरीयता सूची में स्थान रखने वाले एवं उस विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित छात्राओं को महाविद्यालय में प्रवेश दिया जाता है।

महाविद्यालय में प्रवेश के लिए निर्धारित आवेदन पत्र की पूर्ति कर निम्नांकित प्रमाण पत्रों की सत्यापित प्रतिलिपि संलग्न करनी है। प्रवेश के समय मूल प्रमाण पत्रों का साथ होना आवश्यक है।

बाबा खेतानाथ शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, भीटेड़ा

बी.एड. हेतु आवश्यक दस्तावेज

1. समन्वयक, पी.टी.ई.टी. द्वारा जारी किया गया मूल महाविद्यालय आवंटन पत्र।
2. अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, आर्थिक पिछड़ा वर्ग एवं विशेष पिछड़ा वर्ग का प्रमाण-पत्र।
3. रक्षाकर्मी अथवा उसके आश्रितों का प्रमाण-पत्र।
4. विकलांग श्रेणी का प्रमाण-पत्र।
5. विधवा/परित्यक्ता का प्रमाण-पत्र।
6. सैकण्डरी परीक्षा की अंकतालिका व प्रमाण-पत्र, स्वसत्यापित प्रतिलिपि।
7. सीनियर सैकण्डरी परीक्षा की अंकतालिका व प्रमाण-पत्र, स्वसत्यापित प्रतिलिपि।
8. प्रथम वर्ष, द्वितीय वर्ष, तृतीय वर्ष/कला/विज्ञान/वाणिज्य स्नातक परीक्षा की अंकतालिका, स्वसत्यापित प्रतिलिपि।
9. स्नातकोत्तर परीक्षा की अंकतालिका, स्वसत्यापित प्रतिलिपि।
10. पासपोर्ट आकार के चार फोटो।
11. प्रवजन (माइग्रेशन) प्रमाण-पत्र।
12. मूल बैंक चालान, स्वसत्यापित प्रतिलिपि।
13. महाविद्यालय में प्रवेश के पश्चात् ऐसी छात्राध्यापिकाओं को जिन्होने अनिवार्य योग्यता परीक्षा राज ऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर के अतिरिक्त किसी भी अन्य विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण की है, उन्हे राज ऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर में नामांकन करवाना होगा,

जीवन में बड़ा काम करने के लिए निरन्तर कृतज्ञ भाव में जीना पड़ता है।

छात्राध्यापिकाओं के लिए अत्यावश्यक नियम

1. महाविद्यालय में छात्राध्यापिकाओं की उपस्थिति प्रत्येक विषय में कम से कम 80% अनिवार्य है।
2. छात्राध्यापिकाओं को प्रशिक्षण काल में प्रसूति अवकाश स्वीकृत नही हैं।
3. छात्राध्यापिकाओं को महाविद्यालय द्वारा निर्धारित गणवेश में आना अनिवार्य है।
4. प्रत्येक छात्राध्यापिकाओं को महाविद्यालय की कार्यक्रम सारणी (पंचांग)के अनुसार प्रत्येक कार्यक्रम में भाग लेना अनिवार्य होगा।
5. प्राचार्य से अवकाश स्वीकृत करवाये बिना सात दिन लगातार अनुपस्थित रहने पर महाविद्यालय की उपस्थिति पंजिका से नाम पृथक कर दिया जायेगा।अनुपस्थित छात्राध्यापिकाओं को आर्थिक रूप से दंडित किया जा सकता है।
6. प्रार्थना-सभा में सभी छात्राध्यापिकाओं की उपस्थिति अनिवार्य है।
7. कक्षा-कक्ष में किसी भी छात्राध्यापिकाओं को चल-दूरभाष (मोबाईल)रखने की अनुमति नहीं है।
8. महाविद्यालय में प्रवेश लेने वाली छात्राध्यापिकाओं को बी.एड. के अतिरिक्त किसी अन्य परीक्षा में सम्मिलित होने की अनुमति नहीं है।
9. यदि छात्राध्यापिकाओं नियमानुसार पाठ्याभ्यास एवं प्रायोगिक अभ्यास में सम्मिलित होकर अपना प्रायोगिक पाठ्याभ्यास एवं कार्यक्रम तथा दत्त कार्य की पूर्ति नही करती है तो उसे परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जायेगी।
10. प्रायोगिक कार्यक्रमों की अवधि में किसी प्रकार का अवकाश स्वीकृत नहीं किया जायेगा।
11. दैनिक पाठ योजना की पुस्तिका की सम्पूर्ण पूर्ति करके विषय अध्यापक के हस्ताक्षर करवाकर ही जमा करवायें।

शैक्षिक कार्य व पंचांग

निदेशालय, कॉलेज शिक्षा, राजस्थान, जयपुर द्वारा पंचाग महाविद्यालय में लागू होगा।
महाविद्यालय गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं जो परिवर्तनीय है :-

1. परिचयात्मक चर्चा	6. Open Air/SUPW Camp	11. सामयिक जाँच
2. कक्षाध्यापन	7. शिक्षण अभ्यास	12. वार्षिक पाठ योजना
3. स्नेह - मिलन	8. समालोचना पाठ	13. शैक्षिक भ्रमण
4. सूक्ष्म - शिक्षण	9. सत्रीय कार्य	14. वाद-विवाद, खेल कूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता
5. प्रदर्शन पाठ	10. इन्टर्नशिप	15. बाल सभा कार्यक्रम 16. वार्षिकोत्सव

जीवन में बड़ा काम करने के लिए निरन्तर कृतज्ञ भाव में जीना पड़ता है।

पुस्तकालय नियम

1. सामान्यत: पुस्तकालय कार्य समय महाविद्यालय के नियमानुसार ही रहेगा। आवश्यकता होने पर पुस्तकालय के समय में परिवर्तन किया जा सकता है।
2. महाविद्यालय में पुस्तकालय सेवा निम्न विभागों में विभक्त है :-
   1. सामान्य - पुस्तक कक्ष 2. पाठ्य-पुस्तक कक्ष
   3. सन्दर्भ-पुस्तक कक्ष 4. बुक - चैक
3. प्रत्येक पुस्तकालय कार्ड अहस्तान्तरणीय है।उसका दुरूपयोग करने या खोने पर संबंधित छात्राध्यापिका का उत्तरदायित्व है।अत: प्रत्येक छात्राध्यापिका को चाहिए कि वह स्वयं के कार्ड को पुस्तकालय को वापिस नहीं लौटाने तक स्वयं ही उपयोग करें एवं उसे सुरक्षित रखें।कार्डों को वापस करने के बाद No Dues प्रमाण-पत्र दिया जाएगा।
4. छात्राध्यापिका से यदि अपने कार्ड खो जाते हैं तो उसकी सूचना पुस्तकालयाध्यक्ष को तत्काल देनी चाहिए।सूचना के बाद प्रति कार्ड निर्धारित अतिरिक्त शुल्क देने पर ही नया कार्ड दिया जाएगा।
5. छात्राध्यापिका अपने कार्ड पर अपने पाठ्यक्रम से संबंधित पुस्तकें तथा सामान्य पुस्तकें नियमानुसार ले सकेंगी, किन्तु उसे दूसरे विषय या संकाय से संबंधित पुस्तकें नहीं दी जायेगी। इस संबंध में पुस्तकालयाध्यक्ष का मत मान्य होगा।
6. प्रत्येक पुस्तक अधिकतम 14 दिन की अवधि के लिए निर्गमित होगी, जिसे अंकित देय तिथि तक लौटाना होगा।देय तिथि के बाद प्रतिदिन प्रति पुस्तक निर्धारित शुल्क दण्ड-स्वरूप लिया जायेगा।
7. एक कार्ड पर एक समय में दो ही पुस्तकें दी जायगी।
8. प्रत्येक छात्राध्यापिका का कर्तव्य है कि वह पुस्तक को भलीभांति देख लें।पुस्तक जमा कराते समय यदि पृष्ठ फटे पाये गये या पुस्तक खो जाने पर उसकी पूरी जिम्मेदारी छात्राध्यापिका की होगी।ऐसी स्थिति में पुस्तिका का नियमानुसार मूल्य देना होगा।
9. प्रत्येक छात्राध्यापिका का कर्तव्य है कि पुस्तक को स्वच्छ, सुरक्षित रखें।पुस्तक के किसी भी पृष्ठ पर निशान लगाना, पैन चलाना, नाम लिखना, अनैतिक एवं दण्डनीय अपराध है।

बाबा खेतानाथ महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, भीटेड़ा

क्र.स.	नाम	पद	शैक्षिक योग्यता
1	डॉ. सुनीता यादव	प्राचार्या	M.A., M.Ed., M. Phil, Ph.D.(Edu.)
2	डॉ. तेजपाल यादव	प्रवक्ता	M.A., M.Sc., M.Ed., SET, Ph.D.(Edu.)
3	श्रीमती मुकेश बाला	प्रवक्ता	M.A., M.Ed.
4	डॉ. स्वदेश यादव	प्रवक्ता	M.A., M.Ed., NET (Edu.) Ph.D.
5	डॉ. अंजना यादव	प्रवक्ता	M.A., M.Ed., Ph.D.(Edu.)
6	श्रीमती मीना यादव	प्रवक्ता	M.A.,M.Ed.,
7	श्रीमती मुनेश यादव	प्रवक्ता	M.A.,M.Ed., M.Phil.
8	श्रीमती संजोगता यादव	प्रवक्ता	M.A.,M.Ed.
9	श्री अरूण कुमार	प्रवक्ता	M.A.,M.Ed.,NET (Edu.)
10	श्रीमती आशा यादव	प्रवक्ता	M.A.,M.Ed.
11	सुश्री मंजू यादव	प्रवक्ता	M.A., M.Ed., NET (Edu.)
12	श्री निशीत	प्रवक्ता	M.A.(Art & Craft), NET
13	निधि सैनी	प्रवक्ता	M.Ped.
14	श्रीमती सुर्मिला यादव	प्रवक्ता	M.A.,M.Ed.
15	श्री नवीन कुमार	प्रवक्ता	M.A. (Music)
16	श्रीमती बिमला यादव	प्रवक्ता	M.A.,M.Ed.
17	श्री ऋषिपाल यादव	मुख्य लेखाकार	B.Com, PGDCA
18	श्री राकेश कुमार	कम्प्यूटर प्रभारी	B.Tech., M.Sc. (CS)
19	श्रीमती उदिता	पुस्तकालय प्रभारी	B.Lib & M.Lib
20	श्री राजपाल	ऑफिस सहायक	B.Sc., B.Ed.

पाठ्यक्रम

यह महाविद्यालय राज ऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर से सम्बद्धता प्राप्त है, अत: बी.एड़ दो वर्षीय पाठ्यक्रम के लिये राज्य सरकार, एन.सी.टी.ई. एवं राज ऋषि भर्तृहरि मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम लागू है। जिसमें अनिवार्य प्रश्न-पत्र तथा प्रतिवर्ष एक शिक्षण विषय शामिल है।जिसको दो भागों में विभक्त किया गया है।

B.Ed. Part - I

1. सैद्धान्तिक 2. प्रायोगिक

सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक दोनो कार्य छात्राध्यापिकाओं के लिए अनिवार्य है।

अनिवार्य प्रश्न-पत्र

		Evaluation		
		EXTERNAL	INTERNAL	TOTAL
1	Childhood and growing up	80	20	100
2	Contemporary India and Education	80	20	100
3	Learning & Teaching	80	20	100
4	Language Across the curriculum	40	10	50
5	Understanding Discipline and Subject	40	10	50
6	Teaching Subject (One Subject Per year)	80	20	100
7	EPC - I Reading and Reflecting on Texts.	40	10	50
8	EPC - IIDrama and art in Education	40	10	50

B.Ed. Part - II

1. सैद्धान्तिक 2. प्रायोगिक

सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक दोनो कार्य छात्राध्यापिकाओं के लिए अनिवार्य है।

अनिवार्य प्रश्न-पत्र

		Evaluation		
		EXTERNAL	INTERNAL	TOTAL
1	Knowledge and curriculum	80	20	100
2	Gender, School & Society	40	10	50
3	Assessment for Learning	80	20	100
4	Creative and Inclusive School	40	10	50
5	Optional Special Courses (Any One)	80	20	100
6	Teaching Subject (One Subject Per year)	80	20	100
7	EPC - III Critical Understanding of ICT	50	50 (20+30)	100
8	EPC - IVUnderstanding the self	40	10	50

Admission as per the directions of the Govt./ Univ. of RRBM, Alwar & NCTE

पाठ्यक्रम - बी.एड़अवधि - 2 वर्षसीट - 100 (प्रथम वर्ष)

योग्यता - राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित पी.टी.ई.टी द्वारा।

खुला सत्रीय कार्यक्रम

बंसत पंचमी कार्यक्रम के दौरान संयोजक
डॉ. करण सिंह एवं स्टॉफ

विद्यापीठ परिसर में हवन कार्यक्रम

स्काउट गाईड कैम्प

विद्यापीठ परिसर में परिंडे लगाते हुए

पूर्व पुलिस महानिदेशक डॉ. भूपेन्द्र यादव
का समिति सचिव श्री बस्तीराम यादव
एडवोकेट स्वागत करते हुए

विश्व तम्बाकु निषेध दिवस पर शपथ लेते हुए स्टॉफ सदस्य एवं छात्राऐं

छात्रावास के लोकार्पण समारोह में
उपस्थित केन्द्रीय मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह यादव जी,
सांसद महंत बालकनाथ एवं
पूर्व सांसद डॉ. करण सिंह यादव जी

खाटूश्याम भ्रमण

अशोक गहलोत जी (मुख्यमंत्री, राजस्थान)
विधि महाविद्यालय के लोकार्पण समारोह में

समिति के पदाधिकारीगण एवं समस्त स्टॉफ प्रो. जे. पी. यादव (कुलपति) के साथ

विद्यापीठ परिवार

मेंहदी प्रतियोगिता

वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में उपस्थित अतिथिगण एवं छात्राऐं

छात्राओं द्वारा नशा मुक्ति रैली

छात्राध्यापिकाओं द्वारा परिंडे लगाते हुए

कम्प्यूटर लैब

कुरूक्षेत्र शैक्षणिक भ्रमण

प्रतीक चिन्ह भेंट करते हुए – पूर्व सचिव, अध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्ष एवं कोषाध्यक्ष (डॉ. रणजीत यादव)

खुला सत्रीय कार्यक्रम

खुला सत्रीय कार्यक्रम में छात्राध्यापिकाओं द्वारा बनाई गई रंगोली

त्रिवेणी धाम भ्रमण

EDUCATION PROGRAMMES/COURSES

The College runs Post Graduate, Under Graduate and Professional Course. All the courses are as per the norms & Syllabus of R.R.B.M. University, Alwar, ALU jaipur, NCTE Directorate primary education bikaner

संपादक मण्डल :–

डॉ. तेजपाल यादव (प्रवक्ता बी.एड़), श्री अरूण कुमार (प्रवक्ता बी.एड़),
डॉ. स्वदेश यादव (प्रवक्ता बी.एड़), श्रीमती मुनेश यादव (प्रवक्ता बी.एड़)